

## न्यायालय जिला कलेक्टर, सवाई माधोपुर

रिव्यू प्रा.पत्र संख्या- 10/15

सन् 2015

आरसीएमएस संख्या 2015/00001

बउनवानी :-

1. कुन्दन लाल पुत्र स्व० श्री नारायण नाई निवासी, पांचोलास तह० व जिला सवाईमाधोपुर
2. रामहेत पुत्र स्व० श्री नारायण नाई निवासी ग्राम पांचोलास तह० व जिला सवाईमाधोपुर  
बनाम

1. प्रहलाद पुत्र स्व० श्री नारायण नाई निवासी ग्राम फलोदी तह० व जिला सवाईमाधोपुर
2. सरकार जरिये तहसीलदार सवाईमाधोपुर
3. मूलचन्द पुत्र स्व० श्री नारायण नाई निवासी ग्राम पांचोलास तह० व जिला सवाईमाधोपुर
4. पुरुषोत्तम पुत्र स्व० श्री नारायण नाई निवासी ग्राम पांचोलास तह० व जिला सवाईमाधोपुर
5. श्रीमति गुलाब देवी पत्नि श्री रामस्वरूप माली निवासी जटवाडा खुर्द तह० सवाईमाधोपुर

( रिव्यू प्रार्थना पत्र बाबत रिव्यू किये जाने निर्णय दिनांक 14.3.2015 अपील संख्या 06/2014 बउनवानी मूलचन्द बनाम प्रहलाद वगै. न्यायालय जिला कलेक्टर सवाई माधोपुर अन्तर्गत धारा 151 जा. दी.वास्ते)

उपस्थित : 1. श्री आशिष कुमार जैन  
2. श्री जगदीश शर्मा  
3. श्री रविन्द्र सिंह राजावत

वकील प्रार्थीगण  
वकील अप्रार्थी-3  
वकील अप्रार्थी-5

-: निर्णय :-

दिनांक 10.6.2019

रिव्यू प्रार्थना पत्र इस न्यायालय की अपील संख्या 06/2014 बउनवानी मूलचन्द बनाम प्रहलाद वगै. में पारित निर्णय दिनांक 14.3.2015 को इस कथन के साथ रिव्यू करवाने बाबत प्रस्तुत किया है कि उक्त अपील के निर्णय में प्रार्थीगण को सुनवायी का समुचित अवसर नहीं दिया एवं प्रार्थी के वकील की ओर से ही प्रकरण को नोट प्रेस कर खारिज करवा दिया गया है। जिसके कारण प्रार्थीगण अपने अधिकार से वंचित हो गये। अतः प्रार्थीगण को सुनवायी व साक्ष्य प्रस्तुत करने का समुचित अवसर प्रदान करते हुए पुनः निर्णय पारित करे।

प्रार्थना पत्र इस न्यायालय में प्राप्त होने पर दर्ज रजिस्टर किया जाकर विपक्षी को सुनवायी हेतु तलब किया गया एवं रिव्यू प्रार्थना पत्र से संबंधित इस न्यायालय की अपील संख्या 06/2014 की मूल मिसल तलब की गयी।

तत्पश्चात बहस वकील उभय पक्ष सुनी गयी।

वकील प्रार्थी ने प्रार्थना में उल्लेखित तथ्यों की और ध्यान आकर्षित कर कथन किया है कि प्रार्थना पत्र में उल्लेखित उक्त अपील नामा० माननीय न्यायालय में प्रार्थीगण व अप्रार्थीगण संख्या 3 व 4 ने अप्रार्थीगण संख्या 1 व 2 के विरुद्ध दिनांक 11.3.2014 को जरिये अधिवक्ता श्री जगदीश प्रसाद शर्मा पेश की गयी है जिसमे बाद तामील अप्रार्थी प्रहलाद के अधिवक्ता हरिमोहन जाट एडवोकेट व श्री रघुवीर गौड अधिवक्ता के जरिये दिनांक 8.1.2014 को वकालातनामा पेश कर पैरवीरत रहे है और अपीलान्त अप्रार्थी संख्या 3 व 4 श्री जगदीश शर्मा नये अधिवक्ता के जरिये 9.7.2014 से पैरवीरत रहे है। यह तर्क भी दिया कि प्रकरण में दिनांक 21.1.2015 की पेशी नियत थी जिस दिन आगामी पेशी 1.4.2015 नियत की गयी है। तदुपरान्त प्रकरण में अप्रार्थी संख्या 1 प्रहलाद अप्रार्थी संख्या 3 व 4 मूलचन्द व पुरुषोत्तम एवं इनके अधिवक्तागण ने परस्पर साजकर श्रीमान को सही तथ्य छिपाते हुए धोखा देकर दिनांक 14.3.2015 को प्रकरण खारिज करवा दिया जिसकी नाराजगी से यह प्रार्थना पत्र

डॉ० ए. पी. सिंह  
जिला कलेक्टर  
सवाई माधोपुर

पेश करना लाजमी आया है। यह तर्क भी दिया कि श्री जगदीश प्रसाद शर्मा प्रार्थीगण के अधिवक्ता रहे हैं परन्तु प्रार्थीगण ने अधिवक्ता श्री जगदीश प्रसाद शर्मा को अपील नहीं चलाये जाने बाबत कोई हिदायत सहमति स्वीकृति ही दी है। इसलिए श्री जगदीश प्रसाद शर्मा द्वारा श्रीमान को धोखा देकर सभी अपीलान्त की ओर से उपस्थित होकर दिनांक 14.3.2015 को अपील ड्रॉप करवायी गयी है जबकि प्रार्थीगण की ओर से अपील ड्रॉप फरमाये जाने बाबत कोई सहमति/स्वीकृति नहीं दी गयी है। यह तर्क भी दिया कि प्रकरण में 1.4.2015 तारीख पेशी नियत थी किन्तु अधिवक्ता श्री जगदीश प्रसाद शर्मा द्वारा उक्त अपील को दिनांक 14.3.2015 को ही ड्रॉप करवा दी गयी जिसका प्रार्थीगण को इल्म नहीं था क्योंकि दिनांक 14.3.2015 को पत्रावली तलब करवाने बाबत जो प्रार्थना पत्र पेश किया गया था उस पर भी अपीलान्त अथवा रेस्पों. के हस्ताक्षर नहीं थे। इस प्रकार उक्त अपील में ना तो कोई राजीनामा पेश किया गया ओर ना ही राजीनामा तस्दीक हुआ है। बल्कि अप्रार्थी संख्या 1-3 व 4 एवं इनके अधिवक्तागण ने परस्पर साजकृत होकर अपील खारिज करवायी है। यह तर्क भी दिया कि माननीय न्यायालय द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत की भावना राजीनामा करने हेतु प्रार्थीगण एवं अप्रार्थीगण संख्या 3 व 4 को जारी नोटिस की तामील श्री जगदीश प्रसाद शर्मा अधिवक्ता द्वारा करवायी गयी है जबकि प्रकरण में प्रार्थीगण को श्री जगदीश प्रसाद शर्मा द्वारा कभी पेशी पूर्व नियत होने की सूचना नहीं दी गयी है। श्री जगदीश प्रसाद अधिवक्ता द्वारा दिनांक 14.3.2015 को मूलचन्द की ओर से मिसल तलब करने का एक प्रार्थना पत्र पेश किया है जिसमें किसी भी अपीलान्त अथवा रेस्पों. के हस्ताक्षर नहीं है। इस प्रकार उक्त प्रकरण में सभी अपीलान्त राजीनामा करना नहीं चाहते थे। यदि यह तथ्य न्यायालय के समक्ष आता तो न्यायालय किसी भी सूरत में उक्त अपील को ड्रॉप करने के आदेश नहीं देता। इस प्रकार उक्त प्रकरण में अप्रार्थी संख्या 1 प्रहलाद व अपीलान्त अप्रार्थी संख्या 3 व 4 मूलचन्द पुरुषोत्तम व श्रीमति गुलाब देवी व उनके अधिवक्ता परस्पर मिले हुए साजकृत है तथा प्रार्थीगण के हक-हकूक को फर्जीवाडा कर न्यायालय को धोखा देकर नुकसान पहुँचाने की नियत से प्रकरण में राजीनामा होने बाबत झूठा कथन कर अपील ड्रॉप करवायी गयी है तथा ऐसा ही झूठा कथन मा. उच्च न्यायालय में भी करके वहाँ भी प्रकरण को विद्धा कर लिया है। जो आदेश रिकाल किये जाने अथवा अपास्त किये जाने है एवं अपील का निस्तारण गुणावगुण पर किये जाने योग्य है। यह है कि आदेश दिनांक 14.3.2015 की जानकारी दिनांक 8.6.2015 के होने पर नकल प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करने पर दिनांक 16.6.2015 को नकल प्राप्त होने सम्पूर्ण जानकारी हुई है। अतः प्रार्थना पत्र अन्दर मयाद मय दफा 5 के प्रार्थना पत्र के प्रस्तुत कर प्रार्थीगण की ओर से प्रस्तुत प्रार्थना पत्र स्वीकार किये जाने बाबत वकील प्रार्थीगण द्वारा निवेदन किया गया।

विद्वान वकील अप्रार्थी संख्या 3 द्वारा दौराने बहस कथन किया कि माननीय न्यायालय में जैरकार अपील संख्या 06/2014 बउनवानी मूलचन्द बनाम प्रहलाद वगै. का निस्तारण राष्ट्रीय लोक अदालत की भावना से करने बाबत माननीय न्यायालय द्वारा एक नोटिस जारी किया गया था जिसकी तामील प्रार्थीगण संख्या 1 व 2 के एवं हम अप्रार्थीगण के अधिवक्ता श्री जगदीश प्रसाद शर्मा से करवायी गयी थी। चूंकि उक्त अपील से संबंधित आराजीयात के संबंध में पक्षकारान के मध्य राजीनामा हो जाने के कारण माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय में विचाराधीन प्रकरण को विद्धा कर लिया गया था उसी आधार पर माननीय जिला कलेक्टर में जैरकार प्रकरण संख्या 06/2014 को भी जरिये वकील विद्धा करवाया गया है। चूंकि किसी भी प्रकरण को विद्धा करने का अधिकार पक्षकारान के अधिवक्ता को होता है इसलिए हमारे अधिवक्ता श्री जगदीश प्रसाद शर्मा द्वारा उक्त अपील को नियमानुसार विद्धा किया गया है। जिसमें किसी प्रकार की वैधानिक त्रुटि नहीं है।

विद्वान वकील अप्रार्थी संख्या 5 द्वारा दौराने बहस निवेदन किया कि प्रार्थीगण द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र झूठा एवं बेबुनियाद होने के कारण खारिज किये जाने योग्य है क्योंकि आराजी ख0न0 1684,1685,1700,1701,1702,1708 कुल किता 6 कुल रकबा 1.86 है0 वाके ग्राम पांचोलास को अप्रार्थी संख्या ने जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 31.5.2013 को अप्रार्थी संख्या 1 से कय किया था तथा उसी समय अप्रार्थी संख्या 5 ने उक्त भूमि पर कब्जा प्राप्त कर लिया है तथा जब से आज दिन तक अप्रार्थी संख्या 5 ही उक्त भूमि पर काबिज काश्त है। यह तर्क भी दिया कि प्रार्थीगण एवं अप्रार्थी संख्या 3,4 रजिस्टर्ड विक्रय पत्र बहक अप्रार्थी संख्या 5 गुलाब देवी दिनांक 31.5.2013 को निरस्त किये जाने का एक वाद पत्र माननीय जिला न्यायाधीश (जिला जज) सवाईमाधोपुर के न्यायालय में पेश किया था जो बाद सुनवायी प्रार्थीगण एवं अप्रार्थी संख्या 3,4 के उक्त दावे को माननीय जिला न्यायाधीश

सवाईमाधोपुर द्वारा दिनांक 5.9.2013 को खारिज कर दिया था जिसकी अपील प्रार्थीगण एवं अप्रार्थीगण संख्या 3 व 4 ने उच्च न्यायालय में जयपुर में की थी जिसे भी पक्षकारान ने विझा कर लिया था तथा उसके बाद प्रार्थीगण व अप्रार्थीगण संख्या 3 व 4 ने अपना विक्रय पत्र निरस्त किये जाने का वाद पत्र खारिज हो जाने पर अप्रार्थी संख्या 5 गुलाब देवी के पास राजीनामा किये जाने का प्रस्ताव रखा जिसे आये दिन की मुकदमा बाजी से परेशान होकर अप्रार्थी संख्या 5 ने स्वीकार कर लिया तथा राजीनामा अनुसार दिनांक 26.8.2014 को प्रार्थी रामहेत ने 100/-रु के स्टॉम्प पेपर पर आपस में राजीनामा होने तथा जमीन गुलाब देवी की रहेगी और आगे कोई मुकदमा बाजी नहीं करेगा तथा सवाईमाधोपुर न्यायालय तथा उच्च न्यायालय जयपुर में चलकर राजीनामा पेश कर मुकदमें वापस लेने बाबत रूबरू गवाहान राजीनामा लिखकर दिया तथा 50,000/-रुपया प्राप्त कर नोटरी पब्लिक श्री रामस्वरूप साहू से उक्त राजीनामा तस्दीक करवाया गया यहाँ यह भी सनद रहे कि श्री रामस्वरूप साहू एडवोकेट नोटरी पब्लिक प्रार्थीगण एवं अप्रार्थीगण संख्या 1,2,3 के गांव के ही है इस प्रकार प्रार्थीगण एवं अप्रार्थीगण संख्या 3,4 ने अप्रार्थी संख्या 5 से रूपये प्राप्त कर मुकदमे नहीं चलाने का राजीनामा लिखकर अप्रार्थी संख्या 5 गुलाब देवी को दिया। तथा इसी राजीनामा की रोशनी में ही दिनांक 14.3.2015 को माननीय न्यायालय में प्रार्थीगण ने उक्त मुकदमा को नहीं चलाना चाहते है कहकर स्वयं खारिज करवाया है जो अब किसी भी प्रकार से रिव्यू योग्य नहीं है। यह तर्क भी दिया माननीय न्यायालय में अपील का अंतिम रूप से निस्तारण हो चुका है इसलिए अब माननीय न्यायालय को उक्त प्रकरण को सुनवायी का कोई अधिकार नहीं है तथा धारा 151 सी.पी.सी के प्रावधान उक्त प्रकरण में लागू नहीं होते है जहाँ प्रार्थीगण के पास अपील का प्रावधान है वहाँ धारा 151 सी.पी.सी. अप्लाई नहीं होती है। इसलिए प्रार्थना पत्र खारिज किये जाने योग्य है।

वकील उभयपक्षों की ओर से प्रस्तुत तर्कों को सुनने के पश्चात् सम्बन्धित पत्रावली का ध्यानपूर्वक अवलोकन व मनन करने के उपरान्त मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचता हूँ कि इस न्यायालय की अपील संख्या 06/2014 मूलचन्द बनाम प्रहलाद में पारित निर्णय दिनांक 14.3.2015 अपीलान्त के अधिवक्ता श्री जगदीश प्रसाद शर्मा के जरिये अपीलान्त श्री मूलचन्द की ओर से प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर प्रकरण को ड्रॉप करवाने के प्रार्थना पत्र के आधार पर निर्णय पारित किया गया है जबकि प्रकरण में अपीलान्त मूलचन्द के अतिरिक्त पुरुषोत्तम, कुन्दनलाल व रामहेत उर्फ रमेश भी अपीलान्तगण थे। तथा अपीलान्त के अधिवक्ता द्वारा मात्र एक ही अपीलान्त की ओर से जरिये वकील प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर प्रकरण को खारिज करवाया गया है जो उचित नहीं है। क्योंकि प्रकरण को राष्ट्रीय लोक अदालत की भावना से राजीनामा बाबत रखा गया था जिसमें सभी पक्षकारान की उपस्थिति आवश्यक थी केवल मात्र अपीलान्त के अधिवक्ता के प्रार्थना पत्र के आधार पर ही प्रकरण को खारिज करने के कारण शेष अपीलान्त को साक्ष्य एवं सबूत प्रस्तुत करने एवं अपना पक्ष प्रस्तुत करने का समुचित अवसर नहीं मिलने के कारण उनका हित प्रभावित हो सकता है। ऐसी स्थिति में प्रार्थना पत्र से संबंधित प्रकरण में प्रार्थीगण को सुनवायी का अवसर दिया जाना उचित प्रतीत होने के कारण प्रार्थीगणों की ओर से प्रस्तुत रिव्यू प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाना न्यायोचित समझता हूँ।

अतः उपरोक्त विवेचन के आधार पर प्रार्थी की ओर से प्रस्तुत रिव्यू प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाता है। एवं प्रार्थना पत्र से संबंधित मूल प्रकरण अपील नामा. संख्या 6/2014 मूलचन्द बनाम प्रहलाद को पुनः नम्बर पर लिया जाकर दर्ज रजिस्टर किया जावे। पत्रावली फ़ैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो एवं बाद तकमील मूल प्रकरण के साथ हमफ़ीता की जावे।

निर्णय आज दिनांक 10.6.2019 को लिखवाया जाकर सुनाया गया।

( डॉ०एस०पी०सिंह )  
जिला कलेक्टर  
सवाई माधोपुर

